

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

June, 2016

ELECTIVE COURSE : HISTORY

**EHI-05 : INDIA FROM MID-18th CENTURY TO
MID-19th CENTURY**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

(Weightage 70%)

Note : *This question paper has **three** sections. The students have to attempt any **two** questions in about **500** words each from **Section I**, any **four** questions in about **250** words each from **Section II** and any **two** short notes in about **100** words each from **Section III**. The marks are mentioned against each question.*

SECTION I

1. Analyse the Maratha State system in the mid-18th century giving reference to administrative, economic and social structures. 20
2. Discuss in brief the land-revenue policies adopted by the British in India till 1857. 20

3. Explain the administrative and judicial systems developed by the British in India in the 19th century. 20
4. Write a critical note on the contribution and limitations of the 19th century reform movements in India. 20

SECTION II

5. Write a note on the rise of the Sikh State. 12
6. Discuss the nature and pattern of European trade in Asia during the 17th century. 12
7. Discuss the ideas of the Evangelicals and the Utilitarians. 12
8. Explain the concept of 'de-industrialisation' and the impact of the British policies on Indian Industries. 12
9. Analyse the rise of the novel in Indian literature. 12
10. Discuss the significance of the Charter Act of 1833 and the Government of India Act, 1858. 12
11. How did new consciousness develop against social discrimination in India ? 12
12. Discuss the nature and significance of popular movements before 1857. 12

SECTION III

13. Write short notes on any *two* of the following in about 100 words each : 6+6=12

- (a) Mercantilism
 - (b) Subsidiary Alliance
 - (c) New Rationalism
 - (d) Ram Mohan Roy's ideas on Social Reforms
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2016

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : इतिहास

ई.एच.आई.-05 : 18वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी
के मध्य तक का भारत

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100
(कुल का 70%)

नोट : इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। विद्यार्थियों को खण्ड I में से कोई दो प्रश्न लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में, खण्ड II में से कोई चार प्रश्न लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में तथा खण्ड III में से कोई दो संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में करने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।

खण्ड I

1. प्रशासनिक, आर्थिक और सामाजिक संरचनाओं के संदर्भ में मध्य-18वीं शताब्दी में मराठा राज्य तंत्र का विश्लेषण कीजिए। 20
2. 1857 तक भारत में अंग्रेजों द्वारा लागू की गई भू-राजस्व नीतियों की संक्षेप में विवेचना कीजिए। 20

3. 19वीं शताब्दी में भारत में अंग्रेज़ों द्वारा विकसित की गई प्रशासनिक और न्यायिक व्यवस्थाओं की व्याख्या कीजिए । 20

4. 19वीं शताब्दी के भारत में सुधार आन्दोलनों के योगदान और सीमाओं पर एक समालोचनात्मक टिप्पणी लिखिए । 20

खण्ड II

5. सिख राज्य के उदय पर एक टिप्पणी लिखिए । 12
6. 17वीं शताब्दी में एशिया में यूरोपीय व्यापार की प्रकृति और ढाँचे पर चर्चा कीजिए । 12
7. ईसाई धर्म-प्रचारकों और उपयोगितावादियों के विचारों की विवेचना कीजिए । 12
8. 'अनौद्योगीकरण' की धारणा की व्याख्या कीजिए और बताइए कि अंग्रेज़ी नीतियों का भारतीय उद्योगों पर क्या प्रभाव पड़ा । 12
9. भारतीय साहित्य में उपन्यास के उदय का विश्लेषण कीजिए । 12
10. 1833 के चार्टर अधिनियम और 1858 के भारत सरकार अधिनियम के महत्त्व की चर्चा कीजिए । 12
11. भारत में सामाजिक भेदभाव के विरोध में नवीन चेतना कैसे विकसित हुई ? 12
12. 1857 के पहले जन-आंदोलनों की प्रकृति और महत्त्व की चर्चा कीजिए । 12

खण्ड III

13. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 100 शब्दों

(प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

6+6=12

(क) वाणिज्यवाद

(ख) सहायक संधि (Subsidiary Alliance)

(ग) नव तर्कवाद

(घ) सामाजिक सुधारों पर राम मोहन रॉय के विचार